बांके नयन रतनार हो सखि मनवा के मोहे लिरिक्स

बांके नयन रतनार हो,
सखि मनवा के मोहे,
शोभेलें अवध कुमार हो,
सखि मनवा के मोहे।bd।

नील कमल सम श्याम शरीरा,
चितवन की लागी कटार हो,
सखि मनवा के मोहे,
बाँके नयन रतनार हो,
सखि मनवा के मोहे।bd।

वसन पिताम्बर बदनवा पै शोभे,
शोभेला तिलक लिलार हो,
सखि मनवा के मोहे,
बाँके नयन रतनार हो,
सखि मनवा के मोहे।bd।

मोर मुकुट मकराकृत कुंडल,
गल बैजन्ती माल हो,
सखि मनवा के मोहे,
बाँके नयन रतनार हो,
सखि मनवा के मोहे।bd।

बायें कंध धनुष सखि शोभे,
कमर निषंग और बाण हो,
सखि मनवा के मोहे,
बाँके नयन रतनार हो,
सखि मनवा के मोहे।bd।

अगणित मदन लजाए सखी हो,
शोभा की छाई बहार हो,
सखि मनवा के मोहे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बाँके नयन रतनार हो,
सखि मनवा के मोहे।bd।

बांके नयन रतनार हो,
सखि मनवा के मोहे,
शोभेलें अवध कुमार हो,
सखि मनवा के मोहे।bd।

गायक – मनोज कुमार खरे।
रचनाकार – ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्र।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com